

# بسم الله الرحمن الرحيم

در وقت باری تعالی عز اسمه

<p>کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت</p>	<p>کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت          کمال بخت و کمال سعادت</p>
---	---

و اما در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب

## باب اول در بیان فضیلت

در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب  
 در این کتاب که در این روزگار  
 در این روزگار که در این کتاب







تفسیر سورہ کے فضائل میں  
کہ اس سورہ میں ہے

یا اَللّٰہ

فصل میں مخرجات نفوذات  
اگر کسی کو یہ دیکھیں

میں مفسر کو اگر کسی کو یہ دیکھیں  
مفسر مفسر کو اگر کسی کو یہ دیکھیں

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

فرمان ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں  
اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ  
میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں

اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ  
میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

اس سورہ میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

فصل اقل

میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ  
میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ  
میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ  
میں ہے کہ اگر کسی کو یہ دیکھیں کہ اس سورہ

تفسیر سورہ کے فضائل میں

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ

یا اَللّٰہ



بسم الله الرحمن الرحيم  
الحمد لله الذي جعل القرآن  
مكتوباً

وأنزلناه بالقرآن  
مكتوباً



والله اعلم  
بما يعلن

وكتبه  
في شهر ربيع الأول سنة ١٢٠٠







این کتابت است که در روز پنجشنبه کسب و خرید شد

CRISTIANE  
Gringolles, 18.07.08



1. The first part of the paper is a  
 description of the general situation  
 of the country, and the state of  
 the population. It is a very  
 interesting and valuable  
 contribution to the knowledge  
 of the country, and the state  
 of the population. It is a very  
 interesting and valuable  
 contribution to the knowledge  
 of the country, and the state  
 of the population.

[illegible][illegible]

۱- در صورتی که در یک سال دو بار در یک  
 سال در یک سال در یک سال در یک سال  
 در یک سال در یک سال در یک سال در یک سال  
 در یک سال در یک سال در یک سال در یک سال

[illegible]

۱- در صورتی که در یک سال دو بار بارش  
 ۲- در صورتی که در یک سال دو بار بارش  
 ۳- در صورتی که در یک سال دو بار بارش  
 ۴- در صورتی که در یک سال دو بار بارش  
 ۵- در صورتی که در یک سال دو بار بارش

[illegible][illegible][illegible]

